

Leaflet Details

CIR-318347/2023-Acephate (SP) (446)-1214
Acephate 75% SP
(Insecticide)

It is a soluble powder containing Acephate ingredient 75% w/w and balance other relevant ingredients. It is used to control Jassids and bollworms on cotton, Aphid on safflower and stem borer, leaf folder, plant hopper & GLH on Paddy. * Caution :- It is toxic to honey bees, spray application should be avoided during the foraging period of bees.

Recommendation

Crop(s)	Common Name of Pest	Dosage/HA		Dilution in Water in water (liter)	Waiting Period between last spray to harvest (days)	Re-entry after each Application (In Hours)
		AI (gm)	Formulation (gm)			
Cotton	Bollworm	584	780	500-1000	15	
	Jassid	292	390	500-1000	15	
Cotton	Jassid	292	390	500 - 1000	15	
Paddy	Stem borer, Leaf folder, Plant hopper & GLH	500-750	666-1000	300-500	15	
	Stem borer, Leaf folder, Plant hopper & GLH	500-750	666-1000	300-500	15	
Safflower	Aphid	584	780	500-1000	15	
	Aphid	584	780	500-1000	15	

Direction Of Use

Knapsack sprayer, foot sprayer, compression knapsack sprayer, compression knapsack battery sprayer and ASPEE-HTP power sprayer.

Time of Application

Precautions

1. Keep away from foodstuffs, empty foodstuff containers and animals feed.
2. Avoid contact with mouth, eyes and skin.
3. Avoid inhalation the spray mist. Spray in the direction of wind.
- 4 . Wash thoroughly the contaminated clothes and parts of the body after spraying.
5. Do not smoke, drink, eat and chew anything while spraying.
6. Wear full protective clothing while mixing and spraying.

Symptoms Of Poisoning

Headache, giddiness, vertigo, nausea, vomiting, blurred vision, diarrhoea, convulsions, excessive sweating, lacrimation and salivation may occur.

First Aid

1. If swallowed, induce vomiting by tickling the back of throat. Repeat it until the vomitus is clear. Do not induce vomiting if the patient is unconscious.
2. If clothing and skin are contaminated, remove the cloths and wash the contaminated skin with copious amount of soap and water.
3. If eyes are contaminated, flush with plenty of saline/clean water for about 10 to 15 minutes.
4. If inhaled, remove the patient to fresh air.

Phytotoxicity

The product is not phytotoxic, When used as per field recommendation.

Antidote

1. Atropinize the patient immediately and maintain full atropinization by repeated doses of 2 to 4 mg. of atropine sulphate intravenously at 5 to 10 minutes interval. As much as 25 to 50 mg. of atropine may be required in a day. The need for further atropine administration is guided by the continuance of symptoms. Extent of salivation is a useful criterion for dose adjustment. 2. Dissolve 1-2 gm of 2 PAM in 10 ml distilled water and inject intravenously very slowly for 10-15 minutes.

Disposal Of Used Container

- 1 It shall be the duty of manufactures formulators of herbicide and operator to dispose packages or surplus materials and washings from the machine and container shall be disposed off in a safe manner so as to prevent environmental and water. pollution.
- 2 The used packages shall not be left outside to prevent their re-use.
- 3 Packages shall be broken and buried away from habitation.

Storage Conditions

1. The packages containing the insecticides shall be stored in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles or shall be kept in separate almirah under lock and key depending upon the quantity and nature of the insecticide
2. The rooms or premises meant for storing the insecticides shall be well built, dry, well-lit, ventilated and of sufficient dimensions to avoid contamination with vapours

Chemical Composition

S.No	Ingredient	Description	Weight
1	Acephate a.i		75.00 % w/w
2	Aerosol OTB : (Sodium Dioctyl sulphosuccinate)		0.50 % w/w
3	Fine silica (Hisil 233 or Ultrasil VN 3)		QS % w/w
Total			100 % w/w

Manufactured By

M/s Harikrushna Rasayan Industries Private Limited

11, Sarthi Complex One, Liliya Road, Amreli Gujarat-365601

Manufacturer Premises Address

Servey no. 130 P1/P1/P1, at & PO: Rangpur Ta: Amreli, Dist: Amreli (Gujarat)

पत्रक विवरण

CIR-318347/2023-Acephate (SP) (446)-1214

एसिफेट 75 प्रतिशत एस.पी.

(कीटनाशक)

इसका उपयोग कपास के तेला और डोंडे की सुंडियों तथा कुसुम के माहु तथा धान के छेदक, पत्ता मोड़क, फुदका तथा हरा फुदक की रोकथाम के लिए किया जाता है। सावधान : यह मधुमखियों के लिए हानिकारक है, इसलिए जब मधुमखियाँ जब सक्रीय हों उस समय इसका छिड़काव न करें।

उपयोग

फसल	कीट के नाम	प्रति हैक्टेयर मात्रा		पानी की मात्रा (लीटर)	अन्तिम छिड़काव तथा फसल काटने के बीच अन्तराल (दिन)	पुनः प्रवेश की अवधि प्रत्येक छिड़काव के बाद (घंटे)
		स. तत्व (ग्राम)	संरचना (ग्राम)			
कपास	डोंडे कि सुंडी	584	780	500-1000	15	
	तेला	292	390	500-1000	15	
कपास	तेला	292	390	500-1000	15	
धान	तना छेदक, पत्ता मोड़क, फुदका, हरा फुदका	500-750	666-1000	300-500	15	
	तना छेदक, पत्ता मोड़क, फुदका, हरा पत्ता फुदका	500-750	666-1000	300-500	15	
कुसुम	माहु	584	780	500-1000	15	
	माहु	584	780	500-1000	15	

उपयोग के लिए दिशा-निर्देश

उपयोग में आने वाले यंत्र : नेपसेक स्प्रेयर, फूट स्प्रेयर, कम्प्रेसन नेपसेक बैटरी स्प्रेयर और एस.पी.ई.ई.-एच.टी.पी. पावर स्प्रेयर आदि ।

प्रयोग का समय

प्रयोगकर्ताओं के लिए सावधानियां

1. खादसामग्री, खाद सामग्री के खाली बर्तन और पशुओं के चारे से दूर रखें।
2. मुंह, त्वचा और आंखों के सम्पर्क से बचायें।

3. छिडकाव की वाष्प को सांस द्वारा अन्दर जाने से बचायें। हवा की दिशा में छिडकाव करें।
4. छिडकाव के बाद दूषित कपड़ों और शरीर के अंगों को अच्छी तरह धोएं।
5. छिडकाव के समय धूम्रपान, खाना, पीना और कुछ चबाना नहीं चाहिए।
6. छिडकाव करते या मिलाते समय पूर्ण सुरक्षात्मक कपड़े पहनें।

विष के लक्षण

सिरदर्द, चक्कर आना, धुंधला दिखना, मितली, उल्टी, दस्त, झटके (मिरगी) अधिक पसीना आना, आंसू आना, लार टपकना हो सकते हैं।

प्राथमिक चिकित्सा

1. यदि निगल जाये तो गले के पीछे गुदगुदी करके उल्टी करायें यह क्रिया तब तक दोहराते रहे जब तक उल्टी द्वारा निकला पदार्थ साफ न हो जाए। यदि मरीज बेहोश हो तो उल्टी न करायें।
2. यदि कपड़े और त्वचा दूषित हो जाए तो कपड़े उतार दे और दूषित त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।
3. यदि आंखें दूषित हो जाये तो उनको काफी मात्रा में सैलाइन/साफ पानी से लगभग 10-15 मिनट तक धोएं।
4. यदि सांस द्वारा अन्दर गया हो तो रोगी को शुद्ध हवा में ले जायें।

पौधविशाक्तता

सुझाव की मात्रा के अनुसार प्रयोग करने पर यह कीटनाशक पौध विषाक्त नहीं हैं ।

विष नाशक

1. रोगी को तुरन्त एट्रोपिन दीजिए और इसकी 2से 4 मिग्रा. तक की खुराक 5 से 10 मिनट के अन्तराल पर अन्तःशिरा द्वारा लगातार देते हुए पूर्ण एट्रोपिनाइज रखिए। एक दिन में एट्रोपिन सल्फेट की अधिक से अधिक 25 से 50 मिग्रा. तक की मात्रा की आवश्यकता पड़ सकती हैं। एट्रोपिन सल्फेट की और मात्रा लक्षणों के बरकरार रहते दी जा सकती हैं। एट्रोपिन की कितनी खुराक देनी चाहिए इसके लिए मुंह से निकलने वाली लार एक लाभदायक कसौटी हैं। 2. 1 से 2 ग्राम 2 पी.ए.एम. 10 मि.ली. आसुत जल में घोलकर अन्तःशिरा द्वारा बहुत धीरे धीरे 10 से 15 मिनट में देना चाहिए।

खाली डिब्बों का निपटारा

1. कीटनाशक निर्माताओं या उपयोगकर्ता का कर्तव्य है कि डिब्बों या पात्रों को तोड़फोड़कर आबादी से दूर जमीन में गाड़ देना चाहिये।
2. प्रयोग किये गये डिब्बों को दुबारा प्रयोग के लिये बाहर खुला न छोड़ें।
3. डिब्बों या बची हुई कीटनाशक या धोवन का निपटारा इस प्रकार करें कि जिससे आसपास की चीजें, पानी विषैला न हों

संग्रहण की शर्तें

- 1 कीटनाशक के डिब्बों को अलग- अलग कमरों या आलमारियों से जिनमें अन्य वस्तुएं विशेषकर खाद्य पदार्थ या पशु आहार संग्रहित किए जाते हैं से दूर अन्य कमरों से दूर अलग-अलग कमरों में या आलमारियों में ताला चाबी में बंद रखे।
- 2 जिन कमरे अथवा आलमारियों में कीटनाशक का भंडारण करना हो वह अच्छी तरह बना हुआ, सूखा, ठंडा, प्रकाश युक्त, हवादार, व पर्याप्त लम्बा चौड़ा होना चाहये ताकि कीटनाशक की भाप से वातावरण प्रदूषण होने का डर न हों।

रासायनिक संरचना

क्रमांक	घटक	विवरण	वज़न
1	एसिफेट सक्रिय तत्व		75.00 % भार/भार
2	एयरोसोल ओ.टी.बी.: (सोडियम डायोक्टाइल सल्फोसक्सिनेट		0.50 % भार/भार
3	फाइन सिलिका-(हिसिल 233 या अल्ट्रासिल वी.एन.3)		पर्याप्त मात्रा % भार/भार
कुल			100 % w/w

निर्माता

अंग्रेजी मे लिखे अनुसार

उत्पादन परिसर

अंग्रेजी मे लिखे अनुसार